अमर उजाला लखनऊ | मंगलवार | 18 फरवरी 2014

गन्ने का रस पीकर की रस्साकसी

लखनऊ(ब्यूरो)। गन्ने का रस कैलोरी और ग्लूकोज से भरपूर होता है और अगर छक कर पिया जाए तो जोर आजमाइश का भी मन करता है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ शुगर केन रिसर्च की ओर से आयोजित तीन दिवसीय स्थापना दिवस और शर्करा महोत्सव में बच्चों ने सोमवार को रस पीकर खूब रस्साकशी की।

अंतिम दिन विद्यार्थियों के लिए ढेरों कार्यक्रम हुए। संस्थान के गुड़ उत्पादन केंद्र से तैयार गन्ने के ताजा रस और गुड़ का सभी ने स्वाद लिया। वहीं, रस्साकशी में दो समूह बनाकर प्रतियोगिताएं की गईं। योग शिविर लगा। आईआईएसआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके साह ने विद्यार्थियों और किसानों को संस्थान के गन्ने के खेतों का भ्रमण कराया। किसानों के लिए आयोजित कार्यक्रम में वैज्ञानिकों ने उन्हें आधुनिक तकनीकों और उन्नत फसलों की जानकारी दी। समापन पर आईआईएसआर के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने प्रमाणपत्र व स्मृति चिह्न वितरित किए।

गन्ना अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में जोर लगाते विद्यार्थी।

● आईआईएसआर में स्थापना दिवस व शर्करा महोत्सव का समापन

ये हुए सम्मानित

शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए ब्राजील की रफेला रोसेटो, श्रीलंका के डॉ. एपी कीर्थिपाला, भारत के डॉ. एनवी नायर, शिवाजी देशमुख और डॉ. संगीता श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। संस्थान के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी रत्नेश कुमार को विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

IV | दैनिक जागरण लखनऊ, 18 फरवरी 2014

छका गन्ने का रस और की रस्साकशी

जासं, लखनऊ : स्कूली बच्चों के लिए सोमवार का दिन मस्ती भरा रहा। राष्ट्रीय शर्करा दिवस पर बच्चों ने छक कर गन्ने का रस पिया और फिर रस्साकसी में भाग लिया।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव के अंतिम दिन बच्चों, विद्यार्थियों और किसानों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। महोत्सव का प्रमुख आकर्षण रस्साकसी व योग प्रतियोगिता रही। विभिन्न स्कूलों के 1500 बच्चों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। बच्चों ने संस्थान के हरे-भरे परिवेश का आनंद लेते हुए गन्ने की खेती के बारे में जानकारी हासिल की। सूर्य नमस्कार का भी आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी रहे बच्चों को संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने पुरस्कृत किया।

किसान विज्ञान संगम में 400 किसानों को गन्ना उत्पादन तकनीकों पर जानकारी के साथ बागवानी फसलों और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किसानों के लिए उपलब्ध सेवाओं पर भी जानकारी दी गई। किसानों के मनोरंजन के लिए आल्हा-ऊदल संगीत कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। ब्राजील की रफेला रोसेटो, श्रीलंका के डॉ. एपी क्रिथीपाला, भारत के डॉ. एनवी नायर, शिवाजी देशमुख, डॉ. संगीता श्रीवास्तव को उत्कृष्ट शोध के लिए सम्मानित किया गया।

शर्करा महोत्सव में रस्साकशी करते बच्चे जागरण

युनाइटेड भारत, लखनऊ, 18 फरवरी, 2014

रस्साकसी प्रतियोगिता से समाप्त हुआ शर्करा महोत्सव

लखनऊ 17 फरवरी। भारतीय गन्ना अनुंसधान संस्थान लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव के तीसरे दिन आयोजित कार्यक्रमों में बच्चों, विद्यार्थियों तथा किसानों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। आज के कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रस्साकसी व योग की प्रतियोगिता रही, इसके लिए सुबह से ही विभिन्न विद्यालयों के बड़ी संख्या में बच्चे इस महोत्सव में उपस्थित हुए। विद्यार्थियों को संस्थान के गन्ना प्रक्षेत्र का भ्रमण वरिष्ठ वैज्ञानिक डा एके शाह ने कराया, तथा गन्ना खेती से संबंधित ज्ञान से भी अवगत कराया। बच्चों ने ताजा गन्ने के रस का भी आनन्द लिया। आज आयोजित रससाकशी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों की भीड़ उमड़ पड़ी और आयोजकों ने सभी समूहों को जोंर आजमाइस का मौका दिया। हर एक के स्वास्थ्य से सरोकार रखने वाला योगा के अन्तर्गत सूर्य नमस्कार का भी आयोजन हुआ। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को संस्थान के निदेशक डा0 सुशील सोलोमन ने प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। राष्टीय शर्करा महोत्सव के तीन दिनों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, महिलाओं, बच्चों, किसानों के अलावा कृषि निवेश निर्माता कम्पनियों के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न शोध संस्थानों के वैज्ञानिकों ने भाग लेकर ज्ञानार्जन किया। इस मौकें पर आयोजित किसान विज्ञान संगम में लगभग 400 किसानों ने सहभागिता की तथा उन्हें गन्ना उत्पादन के उन्नत तकनीकों पर जानकारी के साथ बागवानी फसलों तथा स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के द्वारा किसानों के लिए उपलब्ध सेवाओं पर भी जानकारी दी गयी। महोत्सव के समापन के अवसर पर आज गन्ना शोध के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ठ कार्य करने वालों वैज्ञानिकों को सम्मानित किया। जिसमें ब्राजील की रफेला रोसेटो, श्रीलंका के डा एपी क्रिथीपाला, भारत के डा एनवी नायर, शिवाजी देशमुख, डा संगीता श्रीवास्तव को उत्कृष्ठ शोध के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही संस्थान के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी रत्नेश कुमार को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया

राष्ट्रीय सहारा | 9
लखनऊ। मंगलवार • 18 फरवरी • 2014

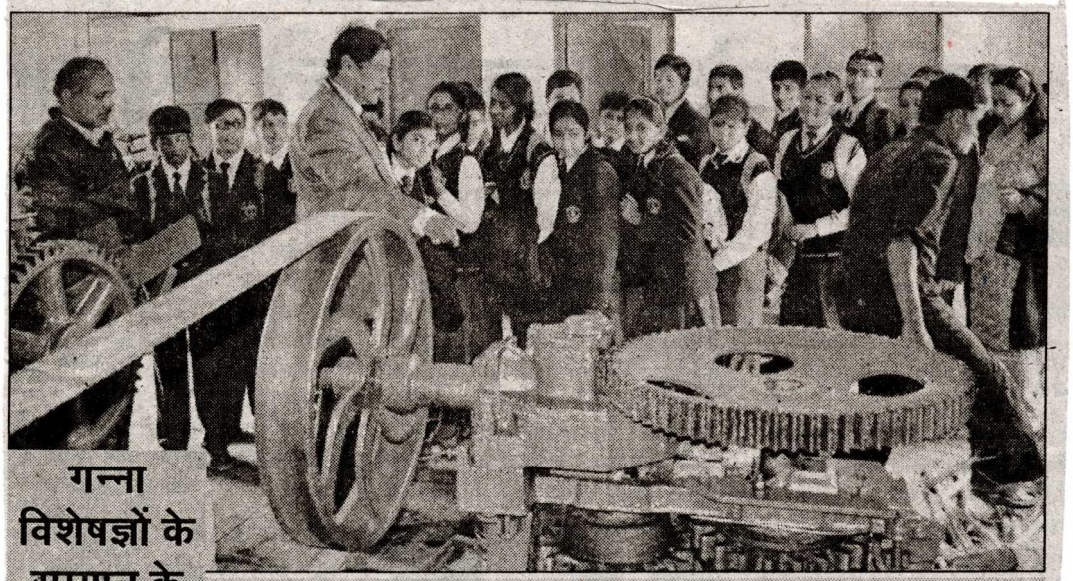

गन्ना विशेषज्ञों के सम्मान के साथ शर्करा महोत्सव सम्पन्न

सरोजनीनगर-लखनऊ (एसएनबी)। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव के तीसरे दिन सोमवार को समापन समारोह के दौरान गन्ना शोध के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य के लिए वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर ब्राजील की रफेला रोसेटो, श्रीलंका के डा. एपी क्रिथीपाला, भारत के डा. एनवी नायर, शिवाजी देशमुख, डा. संगीता श्रीवास्तव को उत्कृष्ट शोध व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी रत्नेश कुमार को विशिष्ट योगदान के लिए सम्मान मिला। इससे पहले संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन व वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. एके साह ने प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले बच्चों, विद्यार्थियों, महिलाओं व किसानों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

अमर उजाला | लखनऊ। सोमवार। 17 फरवरी 2014

दांतों से तोड़ा गन्ना, चखा गुड़ का केक

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। गन्ने को दांतों से छीलकर चूसना दांतों को मजबूत करता है। लेकिन इतना दम सभी के पास नहीं होता। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ शुगरकेन रिसर्च द्वारा आयोजित किए जा रहे शर्करा महोत्सव में इसी दम को परखने और बाकियों के सामने उसका प्रदर्शन कर दाद पाने का मौका यहां आए लोगों को दिया गया। महोत्सव के दूसरे दिन हुए इन जैसे कई आयोजनों ने यहां आए लोगों का संडे यादगार बनाया।

इस तीन दिवसीय महोत्सव के दूसरे दिन शर्करा फसलों की थीम रंगोली बनाने की प्रतियोगिता महिलाओं के लिए आयोजित की गई। वहीं बच्चों केलिए तीन वर्गों में आशुभाषण प्रतियोगिता हुई। महोत्सव में लोगों ने घोड़ा बग्घी, बैलगाड़ी और ऊंट की सवारी का भी आनंद लिया। गुड़ का केक भी खास रहा। गुड़ इकाई के प्रभारी डॉ. एसआई अनवर और डॉ. दिलीप ने बताया कि संस्थान में केके के अलावा गुड़ की बर्फी और कैंडी भी तैयार की गई है।

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में हुए मनोरंजक कार्यक्रम

चीनी उद्योग में शोध कार्य की जरूरत

स्थापना दिवस समारोह में वसंत दादा चीनी संस्थान पुणे के महानिदेशक एससी देशमुख ने अपने विचार रखे। उन्होंने बदलते समय में चीन उद्योग में बड़े स्तर पर शोध कार्य और विकास की जरूरत बताई। आईसीएआर के अतिरिक्त उपमहानिदेशक डॉ. एन गोपाला कृष्णन ने भी वैज्ञानिकों को संबोधित किया। आईआईएसआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके साह ने बताया कि सोमवार को केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान रहमानखेड़ा और राष्ट्रीय मत्स्य अनुसंधान ब्यूरो के वैज्ञानिक भी कार्यक्रमों का हिस्सा होंगे और किसानों का मार्गदर्शन करेंगे।

मंगलवार , 18 फरवरी 2014

हिन्दुस्तान

23

बच्चों ने जानी कैसे होती है गन्ने की खेती

शर्करा महोत्सव

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में चल रहे तीन दिवसीय शर्करा महोत्सव का सोमवार को समापन हो गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियों व किसानों ने भाग लिया। सोमवार को आयोजित इस कार्यक्रम में रस्साकशी व योग प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

गन्ना संस्थान में चल रहे शर्करा महोत्सव के समापन के अवसर पर लखनऊ के विभिन्न विद्यालयों के करीब 1500 बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। इस दौरान बच्चों को वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं मीडिया प्रभारी डॉक्टर एके शाह ने गन्ना संस्थान का भ्रमण कराया और गन्ने की खेती से अवगत कराया। सभी बच्चों ने कृषि से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों की जानकारी के साथ गन्ने के रस का भी खूब आनंद लिया। कार्यक्रम में रस्साकशी प्रतियोगिता में बच्चों ने खूब जोर आजमाइश की। कार्यक्रम में योग प्रतियोगिता के अंर्तगत सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को गन्ना संस्थान के निदेशक डॉक्टर सुनील सोलोमन ने स्मृति चिन्ह व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव के तीन दिनों के दौरान लगभग 2000 बच्चों, 3000 विद्यार्थियों व 500 महिलाओं व 1000 किसानों के अलावा कृषि निवेश निर्माता कंपनियों के प्रतिनिधियों व विभिन्न शोध संस्थानों के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

इस अवसर पर आयोजित किसान विज्ञान संगम में लगभग 400 किसानों ने भाग लिया व गन्ना उत्पादन की उन्नत तकनीकों व स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा किसानों को उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। किसानों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें आल्हा उदल संगीत कार्यक्रम ने किसानों का खूब मनोरंजन किया। **कासं**

HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW
TUESDAY, FEBRUARY 18, 2014

IISR's National Sugar Fest concludes

LUCKNOW: A large number of school children participated in competitions held at the Indian Institute of Sugarcane Research (IISR) campus on the third and final day of National Sugar Fest on Monday. IISR spokesperson Dr AK Sah gave the students a tour of the campus. A surya-namaskar session was also organised during the yoga competition. Director of IISR Dr S Solomon gave away prizes and memento to winners of competitions. In the Kiasn Vigyan Sangam organised today more than 400 farmers visited the campus and benefited from the information on sugarcane cultivation technologies.

the pioneer
LUCKNOW TUESDAY I FEBRUARY 18, 2014

Conclave on sugar crops ends at IISR

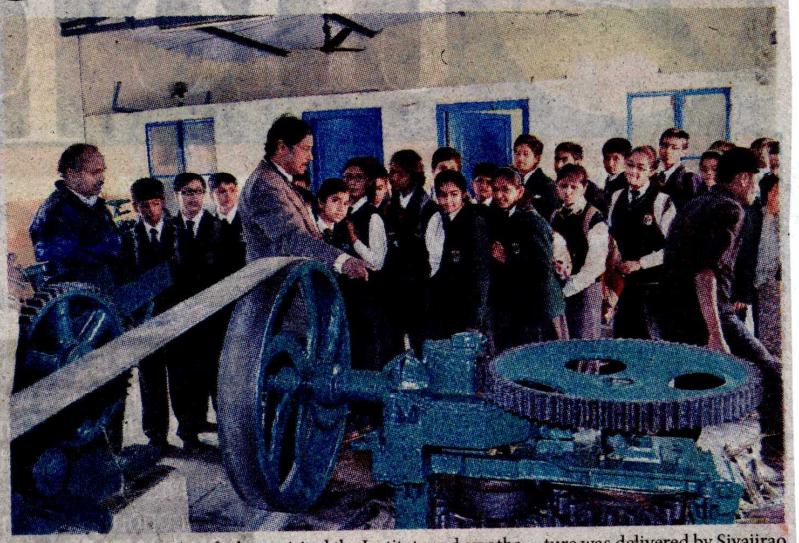

PIONEER NEWS SERVICE ■ LUCKNOW

The International Conclave on Sugar Crops organised by the IISR concluded at the IISR premises here on Monday.

The valedictory function was presided over by Dr Yang Rui Li, China. Dr Raeffelo Rossett from Brazil, Dr AP Keerthipala from Sri Lanka and Dr NV Nair, Sri Shivaji Deshmukh, Dr Sangeeta Srivastava from India were honoured for their outstanding contribution in the field of sugarcane research. Ratnesh Kumar of IISR was also honoured for his outstanding administrative ability. The conclave ended with an announcement and promises to meet at the end of 2014 in China.

On the third and final day of the National SugarFest a large number of children and students participated with great enthusiasm in the various competitions at the IISR on Monday. The tug-of-war was the main attraction of the day in which about 300 students of different schools took part.

As many as 1,500 students from DPS, LPS and APS branches from Lucknow visited the SugarFest and enjoyed the colourful moments of the fest. The media incharge,Dr AK Sah, provided round the trip glimpses of the campus to the visiting students along with must know tips on sugarcane crop and about the Institute. During the visit to the farm and crushing unit of the Institute the children enjoyed the green environment of the campus. They all had a taste of fresh cane juice and cane chewing. Health awareness was also created among the students by conducting a surya-namaskar session during the yoga competition. The Director of IISR, Dr. S Solomon, gave away the prizes and mementoes to the winners of different competitions.

In the Kisan Vigyan Sangam organised on Monday more than 400 farmers visited the campus and benefited by getting information on sugarcane cultivation technologies. At the same time they were provided with helpful tips on the cultivation of horticultural crops and services for farmers provided by the State Bank of India.

On Sunday the National SugarFest saw many colourful programmes like cane chewing, rangoli, kite flying, run for health, ex tempore, open quiz etc being organised with huge participation from children, students and women. An exhibition showcasing the value added products from jaggery was organised in the morning at the jaggery unit of the Institute. All the products like jaggery cube, candy, pudding etc were displayed in the exhibition and were appreciated by all the visiting national and international delegates of the International Conclave on Sugar Crops being organised at the IISR from February. The jaggery incharge, Dr SI Anwar, explained the process of jaggery manufacturing and innovative food products made from it to the visiting delegates.

Over 30 females (girls and housewives) participated in the rangoli competition and all of them made beautiful rangolis based on the theme of sugar crops. About 50 participants enjoyed the sweet taste of cane chewing and tried their best to win the prize by chewing as many number of cane 'setts' within the given time. As many as 125 children participated in the run for health competition. In competitions like ex tempore, quiz and kite flying the participation was overwhelming.

The foundation day of IISR was also organised onSunday in which more than 400 farmers visited the Institute and saw the technologies displayed by different agri agencies and research Institutes like IISR and CISH, NBFGR. On the occasion a foundation day lecture was delivered by Sivajirao Deshmukh, Director General, VSI, Pune, on the topic Indian Sugar Industry: Research and development priorities for the 21st century.

कल्पतरु एक्सप्रेस 5
लखनऊ, मंगलवार, 18 फरवरी 2014

समापन

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में बच्चों व किसानों ने लिया हिस्सा

बच्चों ने गन्ना रस व रस्साकशी का लिया आनन्द

कल्पतरु समाचार सेवा

लखनऊ। राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव के तीसरे दिन कार्यक्रमों में बच्चों, विद्यार्थियों तथा किसानों ने भारी संख्या में भाग लिया। सोमवार के मुख्य आकर्षण रस्साकशी तथा योग की प्रतियोगिता रही। राजधानी के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 1500 बच्चे राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में शामिल हुए। विद्यार्थियों को डॉ. एके साह ने गन्ना खेती के बारे में जानकारी दीं। साथ ही बच्चों ने ताजा गन्ने के रस का भी आनन्द लिया। सभी बच्चों ने मौज-मस्ती के साथ-साथ कृषि के विभिन्न पहलुओं पर रोचक जानकारी भी प्राप्त की। इस मौके पर स्वास्थ्य से सरोकार रखने वाले योगा सूर्य नमस्कार का भी आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

ब्राजील, श्रीलंका और भारत के वैज्ञानिक हुए सम्मानित

अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन के मौके पर गन्ना शोध के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य के लिए वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया। ब्राजील की रफेला रोसेटो, श्रीलंका के डॉ. एपी क्रिथीपाला, भारत के डॉ. एनवी नायर, शिवाजी देशमुख , डॉ. संगीता श्रीवास्तव को उत्कृष्ट शोध के लिए सम्मानित किया गया। संस्थान के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी रत्नेश कुमार को विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वर्ष 2014 के अन्त में पुनः चीन में मिलने के वायदे व घोषणा के साथ अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न हुई।

आल्हा संगीत कार्यक्रम से पूरा हुआ शर्करा महोत्सव

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में तीन दिनों के दौरान लगभग 2000 बच्चों, 3000 विद्यार्थियों, 500 महिलाओं, 1000 किसानों के साथ-साथ कृषि निवेश निर्माता कम्पनियों के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न शोध संस्थानों के वैज्ञानिकों ने भाग लेकर कई जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर आयोजित किसान विज्ञान संगम में लगभग 400 किसानों ने अपनी भागीदारी निभाई। इन किसानों को गन्ना उत्पादन की उन्नत तकनीकों पर जानकारी के साथ बागवानी फसलों तथा स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा उपलब्ध सेवाओं के बारे में भी जानकारी दी गयी। किसानों ने गन्ना अनुसंधान संस्थान की उन्नत तकनीकों को देखा और उसकी सराहना की। उनके मनोरंजन के लिए आल्हा संगीत कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

सोमवार , 17 फरवरी 2014
हिन्दुस्तान

उफ्फ .. इस एक गन्ने ने तो नानी याद दिला दी

लखनऊ | निज संवाददाता

अरे भाई बहुत बड़ा गन्ना है...छोटा लेकर आओ... किसी ने शिकायत की! दूसरी तरफ से अंकुर महाशय ने सफाई पेश की.. सभी गन्ने एक साइज के हैं...! संवाद का यह सिलसिला चल ही रहा था कि एक कड़ी और जुड़ गई।

आदित्य जी ने कराहना शुरू कर दिया .. कराहते कराहते बोले कि गन्ने का रेशा मेरे दांत में फंस रहा है...मैं तो नहीं चूसूंगा... ! किसी ने उन्हें समझाया कि .. देखो सभी लोग कैसे गन्ना चूस रहे हैं... उसी तरह चूसने की कोशिश करो...

दरअसल अनुसंधान संस्थान में आयोजित राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव के दूसरे दिन गन्ना चूसने की प्रतियोगिता चल रही थी। यहां तमाम ऐसे लोग थे जो या तो पहली बार गन्ना चूस रहे थे या कई साल बाद हाथ आजमा रहे थे। अब ऐसे में असहज परेशानियों का होना था लाजिमी था। बड़ी बात यह कि गन्ने का रस चूसने का मौका कोई मिस भी नहीं करना चाहता था।

यही वजह थी कि क्या बच्चे और क्या बड़े सभी इस प्रतियोगिता में शामिल थे। महोत्सव के दूसरे दिन गन्ना चूसने के साथ साथ पतंगबाजी और महिलाओं की रंगोली प्रतियोगिता भी हुई।

प्रतियोगिता में शामिल कई बच्चों को पता नहीं था कि गन्ना चूसा कैसे जाता है...इसलिए किसी के दांत में गन्ने के रेशे फंस गए तो कोई प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ही उठ खड़ा हुआ। लखनऊ पब्लिक स्कूल की छात्रा अनुष्का ने बताया कि उन्हें पहली बार गन्ना चूसने का मौका मिला। प्रतियोगिता में हार गईं लेकिन बड़ा मजा आया। उन्होंने बताया कि यहां से चार-पांच गन्ने घर ले जाएंगी और अपने भाईयों को खिलाएंगी।

वहीं अमीनाबाद इंटर कॉलेज के छात्र आर्यन कश्यप ने बताया कि काफी सालों बाद गन्ना चूसने का मौका मिला। बचपन की यादें ताजा हो गईं। अब तो होली दीवाली में ही गन्ना देखने को मिलता हैं।

सीएमएस के छात्र शोभित मिश्रा ने बताया कि गन्ना चूसने के कारण उनके दांतों में काफी दर्द हो रहा है। हालांकि उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में शामिल होकर उन्हें काफी अच्छा लगा।

अनुसंधान संस्थान में आयोजित राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव के दूसरे दिन गन्ना चूसने की प्रतियोगिता जोशो खरोश के साथ संपन्न हुई

शर्करा महोत्सव

- किसी के दांत में गन्ने का रेशा फंस गया तो कोई पहले ही उठ खड़ा हुआ
- इस मौके पर पतंगबाजी और रंगोली समेत कई दिलचस्प प्रतियोगिताएं हुईं।

रंगोली में बेटी बचाने का संदेश

कार्यक्रम में न सिर्फ बच्चों के लिए बल्कि महिलाओं के लिए भी रंगोली और गुड़ से बनी मिठाई प्रतियोगिता आयोजित की गई। महिलाओं ने रंगों व फूलों के माध्यम से पर्यावरण सुरक्षा व बेटी बचाने का संदेश दिया। आशियाना निवासी डा. पारूल अवस्थी ने बताया कि उन्हें रंगोली बनाने का शौक बचपन से है। उधर ऐशबाग निवासी रश्मि ने अपनी रंगोली के माध्यम से बेटियों को शिक्षित करने का संदेश दिया। कई महिलाओं ने रंगोली मेरस्साकशी व सूर्य नमस्कार

गुड़ की मिठाई

महिलाएं गुड़ से बनी मिठाइयां बनाकर लाई। वृंदावन निवासी सुशीला देवी ने जहां गुड़ से बर्फी व लड्डू बनाए। वहीं कल्पना शर्मा ने गुड़ में चने की दाल वाली मिठाई बनाई। मिठाइयां इतनी स्वादिष्ट थी कि निर्णायक मंडल के सदस्यों को विजेता का नाम फाइनल करने में घंटों लग गए।

आज रस्साकशी और सूर्य नमस्कार

अंतिम दिन बच्चों के लिए रस्साकशी व सूर्य नमस्कार होगा। मीडिया प्रभारी एके शाह ने बताया कि योग के महत्व के बारे में बताया जाएगा।

नहीं जुटी भीड़...

छुट्टी के दिन अपेक्षा के अनुरूप भीड़ न होने से कार्यक्रम के आयोजक काफी मायूस हुए। डा. पीके सिंह ने बताया कि गत वर्षों तक लोगों की जबरदस्त भीड़ देखी जाती थी। मौसम खराब होने की वजह से कम लोग आए।